

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी/अध्यक्ष,  
डी.डी.एम.ए., रुद्रप्रयाग।

आपदा प्रबन्धन अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 06 मई, 2016

विषय:- डी.डी.एम.ए. कार्यालय सीतापुर में तैनात अभियन्ताओं व कार्यालय स्टाफ के आवासीय एवं अनावासीय सुविधा हेतु किराया पर लिये गये लॉजों के किराया भुगतान के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-209/डी.डी.एम.ए./2015-16, दिनांक 12.12.2015 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके माध्यम से स्थान सीतापुर में दिनांक 01.04.2015 से 31.12.2015 एवं 01.06.2015 से 31.12.2015 तक किराये पर लिये गये टूरिस्ट लॉजों के किराये पर लिये जाने की कार्योत्तर स्वीकृति एवं दिनांक 01 जनवरी, 2016 से जून, 2016 तक किराये पर लिये जाने हेतु विस्तारीकरण की स्वीकृति तथा दिनांक 01.04.2015 से 31.12.2015 एवं 01.06.2015 से 31.12.2015 तक कुल ₹ 8,56,247.00 के किराये का भुगतान किये जाने हेतु धनराशि आवंटित किये जाने का अनुरोध किया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	होटल का नाम	अवधि	दर प्रति माह	किराये की धनराशि
1	विजय लक्ष्मी टूरिस्ट लॉज (कुल कमरे 17)	01.04.2015 से 31.12.2015 तक	33,333.00	2,99,997.00
2	एवरेस्ट टूरिस्ट लॉज (कुल कमरे 17)	01.04.2015 से 31.12.2015 तक	37,500.00	3,37,500.00
3	जय अम्बे लॉज (कुल कमरे 12)	01.06.2015 से 31.12.2015 तक	31,250.00	2,18,750.00
कुल याग				8,56,247.00

2- उपरोक्त के सम्बन्ध में सम्यक विचारोपरान्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उपरोक्तानुसार डी.डी.एम.ए., सीतापुर में तैनात अभियन्ताओं को कार्यालय स्टाफ के आवासीय एवं अनावासीय सुविधा हेतु किराये पर दिनांक 01.04.2015 से 31.12.2015 एवं 01.06.2015 से 31.12.2015 तक लिये जाने की कार्योत्तर स्वीकृति तथा दिनांक 01.01.2016 से 30.06.2016 तक किराये पर लिये जाने की विस्तारीकरण की स्वीकृति के साथ उक्त प्रस्तर-1 की तालिका के विवरणानुसार किराये के भुगतान हेतु कुल ₹ 8,56,247.00 (₹ आठ लाख छप्पन हजार दो सौ सैतालीस मात्र) की

(2)

धनराशि आपके निर्वतन पर रखे जाने एवं निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. होटलों के स्वामियों को देय किराये की धनराशि का भुगतान नियमानुसार टी0डी0एस0 एवं अन्य अनुमन्य कटौतियां करने के पश्चात् ही किया जायेगा।
  2. होटलों के जिन कमरों अथवा समस्त होटल कम्फर्ट रिजार्ट को अधिग्रहण करने की तिथि से जो किराया देय हो वास्तविक रूप से अधिग्रहण की तिथि से ही किराये की धनराशि का नियमानुसार भुगतान किया जायेगा/अनुमन्य होगा।
  3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग जिस कार्य प्रयोजन हेतु किया जा रहा है, उसी कार्य प्रयोजन में व्यय किया जायेगा।
  4. यदि किसी कारणवश कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक 31.03.2017 तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।
- 3- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के लेखानुदान (1 अप्रैल से 31 जुलाई, 2016 तक) के अनुदान संख्या-06 के अंतर्गत लेखाशीर्षक-2245-प्राकृतिक विपत्तियों के कारण राहत-80-सामान्य-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-03-आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण-42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।
- 4- यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा.संख्या- 11 P/XXVII(5)/2016-17, दिनांक 03 मई, 2016 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमित सिंह नेगी)  
सचिव

संख्या-819 (1)/XVIII-(2)/16-18(1)/2014, तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड (लेखा एवं हकदारी) ओबैराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, रुद्रप्रयाग।
6. राज्य सूचना अधिकारी, एन.आई.सी. सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
9. गार्ड फाइल।

*g/m/s*  
3-5-2016

आज्ञा से,  
(सतोष बड़ोनी)  
उप सचिव